RJ-06

June - Examination 2026
B.A. (Part-III) Examination
RAJASTHANI
राजस्थानी भासा अर साहित्य रो इतिहास
Paper : RJ-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबंधात्मक सवालां रा पडूत्तर देवणा है। हरेक खंड रै आगै दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ पडूत्तर देवणौ जरूरी है। आपरौ पडूत्तर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम **30** सबद सूं बेसी नीं हवणौ चाइजै। सवाल **2** अंक रौ है।

1. (i) राजस्थानी भासा री उत्पत्ति किण अपभ्रंश सूं हुई है?
   (ii) हाड़ौती बोली किण छेतर में बोली जावै है?
   (iii) राजस्थानी सूं गुजराती भासा किण सदी पछै न्यारी हुई?
   (iv) अबार राजस्थानी किण लिपि मांय लिखी जावै?
   (v) राजस्थानी सबदकोस रचणियां किण विद्वान नैं पद्मश्री रो सम्मान मिल्यो?
   (vi) ''ढोला–मारू'' री प्रेमगाथा किण छंद मांय रच्योड़ी है?
   (vii) मुड़िया लिपि रो बीजो नाम कांई है?

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं **किणी चार** सवालां रो पडूत्तर देवणो है। सबद सीमा **200** सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल **7** अंक रौ है।

2. मारवाड़ी बोली री प्रमुख विसेसतावां बतावो।
3. वैणसगाई अलंकार रा कित्ता भेद हुवै? उदाहरण देयनै समझावो।
4. राजस्थानी रै नीतिपरक संबोधन–काव्य री परंपरा री विरोळ करो।
5. राजस्थानी रै आदिकाल नैं वीरगाथा काल क्यूं कैयो जावै? इण काल में रणमल्ल छंद अर जयचंद्र जस चंद्रिका जैड़ा ग्रंथ भी रच्चीज्या, आं ग्रंथां री विषयवस्तु री ओळखाण करावो।
6. राजस्थानी साहित्य रै मध्यकाल नैं ''स्वर्णयुग'' क्यूं कैयो जावै? इण काल री महिला भगत कवयित्रियों रो नामोल्लेख करतां थकां भगत कवयित्री सम्मानबाई रो परिचै देवो।

7. राजस्थानी नीतिकाव्य री दीठ सूं ''राजिया रा सोरठा'' माथै आपरा विचार प्रगट करो।

8. राजस्थानी साहित्य रो आधुनिक काल कद सूं मान्यो जावै? इण काल री नूंई कविता री विसेसतावां लिखो।

9. राजस्थानी साहित्य में महिला लेखन री भी एक सांतरी परंपरा रैयी है। सार–रूप में राजस्थानी महिला लेखन माथै आपरा विचार प्रगट करो।

खण्ड–'स' **2×14=28**

(बड़ा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं **किणी दो** सवालां रो पड़ूत्तर देवणो है। सबद सीमा **500** सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल **14** अंक रौ है।

10. लोक–साहित्य री परिभासा देंवता थकां लोक–साहित्य री न्यारी–न्यारी विधावां रो उल्लेख करो।

11. लोक–साहित्य अर शिष्ट साहित्य मांय कांई भेद है? अंतर रो खुलासो करो।

12. ''राजस्थानी लोकगीत अठै री संस्कृति रा संवाहक है।'' इण कथन रै समरथन में आपरा विचार प्रगट करो।

13. ''राजस्थानी कहावतां मांय लोकजीवन रो सार समायोड़ो है।'' इण कथन रै पख में दाखला देंवता थकां अठै रै लोकजीवन मांय कहावतां रै महत्तव नैं उजागर करो।
